आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–07 सितम्बर 2026 भोजपुरी समाचार

प्रदेस के कई जिलन में रूकि–रूकि के बरखा क सिलसिला जारी बा। पछिला कई दिन से हो रहल बरखा अउर बैराजन से पानी छोड़इले के नाते राज्य के कई गो नद्दी उफान पर हईन। पीलीभीत जिला में पछिला दुइ दिन से लगतारे बरखा भइले के नाते जन–जीवन परभावित भइल हौ। ओइजा बाढ़ि के खतरा के देखत अलर्ट जारी कइल गइल बा।

शारदा नदी में बनबसा बैराज से आज एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया। देवहा नदी में डिस्चार्ज 11 हजार क्यूसेक था। इससे पूरनपुर, सदर, कलीनगर और बीसलपुर तहसील क्षेत्र के करीब 3 दर्जन गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। ट्रांस शारदा क्षेत्र में फसलें व संपर्क मार्ग डूबे हुए हैं। जिला प्रशासन ने बाढ़ चौकियों को अलर्ट करके प्रभावित क्षेत्रों पर नजर रखने को कहा है। लगातार बरसात होने से निचली बस्तियां भी जलमग्न हैं और आज 8वीं तक के स्कूल बंद रहे। सतीश मिश्र, आकाशवाणी समाचार पीलीभीत।

प्रदेस में येह समय करीब दुइ दरजन से बेसी जिला बाढ़ि से परभावित बा। बदायूं अउर बलिया में गंगा नदी, शाहजहांपुर में रामगंगा, लखीमपुर खीरी में शारदा नदी, बाराबंकी, अजोध्या अउर बलिया में घाघरा नदी अलगि–अलगि जगहिनि पर खतरा के चीन्हा से उप्पर बहि रहलि हईन। पूरबी उत्तर उत्तर प्रदेस के बलरामपुर जिला में बीतल रतिये से रूकि–रूकि के बरखा क सिलसिला जारी बा। ओइजा आजु भिन्नहीं आठ बजे ले चउबीस मिमी बरखा रेकॉर्ड कइल गइल। मौसम विभाग येह अंचल में भारी बरखा जारी रहले क चेतावनी दिहले हौ।

मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश आकाशवाणी से बातचीत में कहलें कि बरखा क ई सिलसिला आवे वाले दिनवों में जारी रही।

जैसा कि सेंट्रल पार्ट ऑफ उत्तर प्रदेश में एक लो प्रेशर सिस्टम बना हुआ है और जैसा कि ये धीरे–धीरे पूर्वांचल की तरफ मूव हो रहा है तो उसी को देखते हुए आज उत्तर प्रदेश के जो तराई बेल्ट है वहां पर ऑरेंज अलर्ट है भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है जिसमें गोरखपुर बस्ती बहराइच लखीमपुर खीरी में जो तराई बेल्ट है वहां पर है बाकी ये सिस्टम धीरे–धीरे पूर्वी की उत्तर प्रदेश की तरफ पूर्वांचल की तरफ मूव होगा तो कहीं ना कहीं कल दिनांक 8 सितंबर को जो हमारा गोरखपुर देवरिया कुशीनगर महाराजगंज का जो एरिया है नॉर्थ ईस्ट यूपी वहां पर भारी से भारी वर्षा होने की संभावना है बाकी ये सिस्टम धीरे–धीरे मूव हो जाएगा हालांकि जो बारिश है हल्की से मध्यम वो पूर्वी उत्तर प्रदेश पूर्वांचल में अभी आने वाले अगले तीन चार दिन तक बना रहेगा।

****

बागपत जिला के खेकड़ा थान्हा क्षेत्र में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे पर बड़ा गांव टोल के लग्गे बीतल आधी राति के बादे सरधालुअन से भरल एगो यात्री गाड़ी के डिवाइडर से टकरा के पलटि गइले से करीब बारह लोगिन क मउति हो गइल। ई हादसा ओह समय भइल जब येह गाड़ी के एगो ट्रेलर ठोकर मारि दिहल, जेहसे ई डिवाइडर से लड़ि गइल। एडीजी मेरठ भानु भास्कर बतवलें कि हादसा के बाद घाही लोगिन के इलाज बदे अलगि–अलगि अस्पतालन में भरती करा दीहल गइल बा।

ये बहुत ही दुखद है और मृतकों एवं घायलों के परिवार के साथ, परिजनों के साथ जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक और पूरी टीम के लगातार बातचीत चल रही है। ये सभी लोग मूलतः जो है बदायूं जनपद के थे। वो राजस्थान में पूजा–अर्चना के लिए 2 सितंबर को गए थे। पांच दिन बाद पूजा–अर्चना पूरी करके वापस आ रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई है। बदायूं प्रशासन, बदायूं पुलिस जो है लगातार इनसे संपर्क में है और जितनी सुविधा मुहैया हो सकती है, वो कराई जा रही है।

ओहीं, बदायूं जिला के उघैती थान्हा क्षेत्रो में सहसवान–बिसौली रोड पर आजु तड़कै एगो टेम्पू अउर डम्पर के बिच्चे भइल टक्कर में तीनि जने क मउति हो गइल। येह हादसा में करीब आधा दरजन से बेसी लोगि घाही हवें।

****

बिहने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनावल जाई। येह मौका पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर लइकन के स्कूल पहुंचावे, गुणवत्तापूर्ण सिक्षा दियावे आ डिजिटल ज्ञान अउर एआई के प्रति जागरूक भइले क आवाहन कइले हवें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर योगी की पाती नाम से अपने संदेश में कहा है कि आज तकनीक तेजी से हमारे जीवन को बदल रही है। ऐसे में डिजिटल साक्षरता के साथ एआई साक्षरता की भी आवश्यकता है। एआई, डीप–टेक और उभरती प्रौद्योगिकी शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार परंपरागत ज्ञान को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, नवाचार और कौशल से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि साक्षरता का संकल्प समाज के सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता है। समाचार कक्ष से विवेक सिंह।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से आवे वाला नौ सितम्बर के नउवां राष्ट्रीय पोषण माह क सुरूआति होई। महिला अउर बाल विकास मंत्रालय के ओरि से येह बरिस आयोजित हो रहल राष्ट्रीय पोषण माह क बिसय हवे–"हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी"।

****

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन–इसरो मीडिया के ओह अटकलन आ गलत सूचना पर स्पष्टीकरण जारी कइले हौ जेहमें इसरो के निजीकरण चाहे ओकर भूमिका कम कइले के कोसिस क बाति कहल गइल बा।

****